निर्धारित आत्माओं का एक छोटा शरीर उनके मिशन में एक अयोग्य विश्वास द्वारा निकाल दिया गया है, जो इतिहास के पाठ्यक्रम को बदल सकता है। - महात्मा गांधी

कनेक्ट

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

खंड 6 अंक 2 फरवरी 2020 www.mgncre.org

हमारे देश में स्नातक और मास्टर डिग्री के लिए सिक्किम पायनियरिंग ग्रामीण प्रबंधन: सिक्किम के माननीय शिक्षा मंत्री श्री कुंगा नीमा लेप्चा ने पाठ्यक्रम की शुरूआत की है।

सिक्किम के माननीय शिक्षा मंत्री श्री कुंगा नीमा लेप्चा ने कहा, **"छात्रों के लाभ के लिए एक सही अभिनव पाठ्यक्रम"** जब उन्होंने सिक्किम में 29 जनवरी को सिक्किम एच.आर.डी.डी. सचिवालय में आयोजित ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया।

सिक्किम, भारत का पहला पूरी तरह से जैविक राज्य, डिस्पोजेबल प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला भारतीय राज्य, एकल उपयोग वाली प्लास्टिक की बोतलों को लक्षित करने वाला पहला राज्य और ओ.डी.एफ. की स्थिति प्राप्त करने वाला पहला भारतीय राज्य, भारत का पर्यावरण अब अग्रणी है सभी राज्यों में स्नातक और मास्टर डिग्री के लिए ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम की आधिकारिक शुरूआत हो रहा है। उनकी उपस्थिति में छोटे भारतीय राज्य की महिमा है। राज्य के प्रत्येक नुक्कड़ और कोने में नेतृत्व की एक कहानी पेश की जाती है, चाहे वह बहु जातीय समाज की उपस्थिति या कृषि के क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देने में हो।

यह उपयुक्त है कि ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम मूल्य संवर्धन बना सकते हैं और विश्व अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। विश्व अर्थव्यवस्था एक पोषण समृद्ध अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। इस व्यावहारिक और यथार्थवादी दृष्टिकोण के साथ, इस पाठ्यक्रम में छात्रों की रुचि रखने अपने जीवन के समर्पण की आश्वासन देने की उम्मीद है और ग्रामीण प्रबंधन और विकास के क्षेत्र के लिए एक बेहतर राष्ट्र के निर्माण की जरुरत है।

माननीय शिक्षा मंत्री ने राज्य के विश्वविद्यालयों को राज्य की जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम को अपनाने और संस्थागत बनाने का आग्रह किया। श्री कपिल मीणा, निदेशक, उच्च शिक्षा के अनुसार, कृषि क्षेत्र में निहित व्यावसायिक कौशल के विकास के लिए एक अनुशासन और रोजगार दोनों के लिए बहुत बड़ा व्यापकता है। अपर मुख्य सचिव श्री जी.पी. उपाध्याय ने सही कहा कि ग्रामीण गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवर प्रशिक्षित ग्रामीण कर्मचारियों के साथ-साथ नियोक्ताओं की भी जरूरत है। यह पाठ्यक्रम इन दोनों के बीच एक सेतु बनाकर और ग्रामीण भारत को सशक्त बनाकर उन कौशल को बढ़ा सकता है।

अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कहा कि **"ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम एक बी.बी.ए./एम.बी.ए. कार्यक्रम है जो कि स्थायी ग्रामीण आजीविका के विकास को सक्षम करने के लिए ग्रामीण अध्ययन और ग्रामीण प्रबंधन को बढ़ावा देने का प्रयास करता है"।** "अद्वितीय कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को प्रबंधन कौशल से लैस करना है। उन्होंने यह भी कहा कि "देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों के परामर्श से **यह ग्रामीण क्षेत्रों को समझने में एक बदलाव होगा,** न कि केवल उपभोक्ताओं के रूप में, बल्कि अर्थव्यवस्था में उत्पादकों और योगदानकर्ताओं के रूप में भी बनाया गया है। "

सिक्किम उच्च शिक्षा के संयुक्त सचिव, सुश्री शुभा मुखिया, सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय के कुलपति, लेफ्टिनेंट (डॉ.)एम.डी.वेंकटेश, सिक्किम विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री टी.के.कौल, आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.जे.एन.पटनायक, एसोसिएट डीन फैकल्टी ऑफ साइंसेज एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी से डॉ.गोविंद प्रताप सिंह, एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र के एच.ओ.डी. डॉ.रिजाल और विनायक मिशन, सिक्किम विश्वविद्यालय के सहायक रजिस्ट्रार श्री बेनॉय थापा भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

"मजबूत परिवारों, समुदायों, सफल संगठनों और एक समृद्ध देश को सुनिश्चित करने के लिए, अद्वितीय योगदानों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है जो समाज के बहुत ही ताने-बाने में निर्मित हों" अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 71 वें गणतंत्र दिवस समारोह में एम.जी.एन.सी.आर.ई. में अपने अभिप्राय व्यक्त करते हुए कहा।

उन्होंने राष्ट्र और एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम की कामना की और दूसरों के जीवन में योगदान के मूल्य पर जोर दिया। उन्होंने एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम के काम के लिए बधाई दी। पूरे देश में सभी के लिए खुशी की कामना की। उन्होंने कहा कि "हम तभी सफल हो सकते हैं जब टीम में एक साथ काम हो। हमारी टीम और देश की भलाई के लिए योगदान आगे का रास्ता है"।

संपादक की टिप्पणी

मैं अपनी टीम और पूरे देश को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देता हूँ! भारत का 71 वां वर्ष गणतंत्र बनने के साथ ही यह देश के लिए और एम.जी.एन.सी.आर.ई. के लिए भी कई उपलब्धियाँ लेकर आया है। हम टीम के काम के कारण अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहे हैं और देश भर में अपनी उपस्थिति को सफलतापूर्वक महसूस करवाया है। मंत्रालय ने हमें अपनी उपलब्धियों पर बधाई दी है - उनमें से कई देश में अपनी तरह के पहले हैं। हमारे पाठ्यक्रम के हस्तक्षेप ने उत्साह को बढ़ाया है। मंत्रालय के आदेश पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा विकसित बैचलर और मास्टर डिग्री के लिए ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम अच्छी तरह से स्वीकार किए जाने के अपने तरीके पर है और सभी राज्यों में तेज़ी से प्रचारित किया जा रहा है। हमारी स्वच्छ्ता कार्य योजना की गतिविधियाँ इस महीने के अंत तक पूरी होने वाली हैं। हम 100 उच्च शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग करके 200 गांवों का दौरा करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम हैं। उद्योग-अकादेमी मीट सह प्रदर्शन पूर्ण-विकसित परिणामों के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में अवसर कई गुना हैं और यह विश्वविद्यालयों के सहयोग से एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम द्वारा बहुत अच्छी तरह से सामने लाया गया है। हमें देश के जॉब मेलाओं में विशिष्ट स्थान रखने की भी सलाह दी गई है ताकि अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में करियर के बारे में ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ हम अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में रोजगार प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करें। हमारी क्षमताओं में इतना भरोसा देने के लिए मैं मंत्रालय को धन्यवाद देता हूँ।

इस महीने में हमारे यहाँ मकरसंक्रांति - प्रसन्नता का त्यौहार भी था। मैं पूरे देश को पोंगल की शुभकामनाएं देता हूँ! हमने इस त्यौहार को अपने परिसर में मनाया जिस उत्सव में भाग लेने हमारी पूरी टीम शामिल थी। टीम वर्क हमेशा भारी लाभांश का भुगतान करता है। यह केवल टीम के प्रयासों और निःस्वार्थ योगदान के माध्यम से है जिससे हम आगे बढ़ सकते हैं और अपने प्रयासों में सफल हो सकते हैं।

हमने बहुत से अगत कारणों को आच्छादित किया है और टीम वर्क के कारण अपने लक्ष्य को भी पूरा किया है। मैं सभी के लिए खुशी की कामना करता हूँ क्योंकि खुद खुश होना आखिरकार खुशियों को बांटने की ओर ले जाएगा जिसके बदले में खुशहाल काम करने की स्थिति और आखिर में लक्ष्यों की प्राप्ति भी होगी।

वन्दे मातरम!

डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ! मैं एम.जी.एन.सी.आर.ई. के टीम को और पूरे देश को भारत के 71 वें गणतंत्र दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। जैसा कि मैंने अपने देश की उपलब्धियों के माध्यम से बताया, यह मुझे बहुत गर्व देता है कि भारत ने जबरदस्त गति से विकास किया है और ऐसा ग्रामीण हस्तक्षेप पहले कभी नहीं हुआ है। मुझे खुशी है कि हम भारत में ग्रामीण विकास परिदृश्य का हिस्सा हैं। ग्रामीण प्रबंधन में हमारा पाठ्यक्रम एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और ग्रामीण और राष्ट्रीय विकास में एक महान योगदानकर्ता है। अकादमिक सिद्धांतों के व्यावहारिक कार्यान्वयन के माध्यम से ही प्रगति की जा सकती है। हमारे क्षेत्र आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम सामग्री अपने आप में एक ग्रामीण प्रबंधन क्रांति को सुनिश्चित करना है।

ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए कई उ.शि.सं.(एच.ई.आई.) आगे आ रहे हैं जो पाठ्यक्रम विकास में हमारी सफलता का एक निश्चित संकेत है। मैं अपनी पूरी टीम को इसके लिए बधाई देता हूँ। मैं भी सभी को पोंगल की शुभकामनाएं देता हूँ क्योंकि हम यह प्रसन्नता का त्योहार मनाते हैं! इस फसल कटाई त्योहार को 'धन्यवाद पर्व' के रूप में माना जाता है क्योंकि यह त्योहार सूर्य देव और भगवान इंद्र को बेहतर उपज देने में किसानों की मदद करने के लिए धन्यवाद देने के लिए मनाया जाता है। मैं अपने संगठन के लिए भी यही चाहता हूँ क्योंकि हम अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाएं और नए आधारों को बनाएं।

डॉ.भरत पाठक, उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. को ज़ेवियर स्कूल ऑफ़ रूरल मैनेजमेंट (एक्स.एस.आर.एम.) में लीडरशिप टॉक के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने एक अच्छे लीडर होने के लिए आवश्यक कौशल पर छात्रों को प्रबुद्ध किया और सरकारी अधिकारियों के सामने निर्णय लेने के दौरान कई प्रतिबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने ग्रामीण प्रबंधन पर अपने विचार साझा किए और छात्रों को भविष्य के ग्रामीण प्रबंधकों के लिए अपने स्वयं के विचारों के साथ आने के लिए कहा ताकि न केवल पाठ्यपुस्तकों से बल्कि व्यावहारिक अनुभवों से भी सीख सकें। उन्होंने एक स्नातक कार्यक्रम में ग्रामीण प्रबंधन अध्ययन की आवश्यकता के बारे में भी बताया। सत्र पूरी तरह से इंटरैक्टिव था और छात्रों को सीखने का एक अच्छा अनुभव था।

प्रदर्शन मोड में अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. - जे.एन.टी.यू. एच.आर.डी.सी. में डिसास्टर मेनेजमेंट पर अल्पावधि पाठ्यक्रम का खंड

Industry Academia Meet

सत्यबामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी 08-09 जनवरी

सामाजिक उद्यमिता, सामाजिक व्यापार, सामाजिक अर्थव्यवस्था और निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व ध्यान के प्रमुख क्षेत्र है

सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में 2-दिवसीय उद्योग-अकादमिया मीट सह प्रदर्शनी में डॉ.मारियाजेना जॉन्स, कुलपति, डॉ.मैरी जॉनसन, अध्यक्ष और उप-कुलपति, डॉ.एस.सुंदर मनोहरन। आयोजक सचिव डॉ.टी.शशिप्रभा, उप-कुलपति थे, जबकि संयोजक डॉ.भुवनेश्वरी गौतमन, प्रोफेसर और डीन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, डॉ.डॉन एस.एस., प्रोफेसर/वैज्ञानिक-ई, सेंटर फॉर वेस्ट मैनेजमेंट थे। आयोजन समिति में सुश्री निर्मला, श्री अरुण गोविंद एम, श्री संतोष। सेंटर फॉर वेस्ट मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ स्टडीस- डॉ.ए.पालानि, प्रोफेसर एवं हेड, डॉ.डी.वेलुमणि, सहायक प्रोफेसर, डॉ.पी.कुमारसामी, सहायक प्रोफेसर, डॉ.एन.माथन, सहायक प्रोफेसर और डॉ. पी.ए.मैरी ऑक्सिलिया, सहायक प्रोफेसर।

बाएं से दाएं तक श्री विश्वानाथम, मैलापुर रेसिडेंट एसोसिएशन, सोलिड वेस्ट मैनेजमेंट फॉरम, चेन्नई, श्री स्वामीनाथन, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट विशेषज्ञ, तमिलनाडु मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, डॉ.टी.शशिप्रभा, प्रो वी.सी., सत्यबामा विश्वविद्यालय, डॉ.एस. सुंदर मनोहरन, वी.सी., सत्यबामा विश्वविद्यालय, श्री नवीन कुमार, सीनियर फैकल्टी एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.कार्तिकेयन, पूर्व सदस्य सचिव, टी.एन.पी.सी.बी., अध्यक्ष, सी.ओ.ई.यू.एस.डब्ल्यू.एम., सुश्री उमा वी., फौंडर ट्रस्टी, करमकोरपम, फाउंडेशन फॉर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, चेन्नई, डॉ.उषा मुतु कुमार, वरिष्ठ सलाहकार-अर्बन प्रैक्टिशनर्स, आई.आई.एच, बेंगलूरु

कुलपति डॉ. एस. सुंदर मनोहरान एवं प्रो-कुलपति डॉ. टी शशिप्रभा को कैलेंडर प्रस्तुत करते हुए

टी.एन.पी.सी.बी. के पूर्व सदस्य सचिव और वर्तमान अध्यक्ष, सी.ओ.ई.यू.एस.डब्ल्यू.एम, डॉ.के.कार्तिकेयन ने भारत में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के वर्तमान परिदृश्य और चुनौतियों और सफलता की कहानियों पर बात की। डॉ.डॉन एस.एस., सेंटर फॉर वेस्ट मैनेजमेंट ने अपशिष्ट प्रबंधन के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला और यह आस-पास के गांवों में कचरा प्रबंधन के लिए संस्थान द्वारा उठाए गए विभिन्न कदम। श्री वी.मुरुगेसन, क्षेत्रीय कार्यकारी अभियंता, नगर पालिका प्रशासनिक विभाग, चेंगलपट्टू ने अपशिष्ट प्रबंधन तकनीकों, अपशिष्ट प्रबंधन और परिपत्र अर्थव्यवस्था, विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन और पाँच सूत्री अलगाव पर बात की। डॉ.श्रीधर हरिकृष्ण मूर्ति, वैज्ञानिक सलाहकार, वी.एन.एस. एनविरो बॉयोटेक प्रा. लिमिटेड चेन्नई, संस्थापक और सी.ई.ओ., ओरकी टेक्नोलोजीस, चेन्नई, को-फौंडर, सी.टी.ओ., ग्रीन राप, चेन्नई ने : ब्लू मेंटरशिप फॉर स्टार्टर्स ", जो स्टार्टअप कंपनियों के लिए एक उन्मूलक सत्र था जिसमें सलाह और हैंडहोल्डिंग की जरूरत थी।

टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी 21 - 22 जनवरी

टी.आई.यू. ने अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता पर केंद्रित एक नया टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी शैक्षणिक कार्यक्रम खोलने की घोषणा की।

टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी (टी.आई.यू.) ने 2-दिवसीय उद्योग-अकादमिया मीट सह प्रदर्शनी को उत्साहपूर्वक आयोजित किया। स्वागत भाषण श्रीमती मानुषी रॉय चौधरी सह-अध्यक्ष, टी.आई.यू. द्वारा दिया गया। गणमान्य व्यक्तियों में सुश्री पॉलीन लारावॉयर, सस्टेनेबिलिटी निदेशक, टी.आई.यू. और संस्थापक, वाई- पूर्व शामिल थे; श्री मेघदुत रॉय चौधरी, निदेशक- ग्लोबल ऑपरेशन टी.आई.जी.; श्रीमती वर्जिनि कोर्टिवल, कंसल जनरल, फ्रेंच कंसुलेट; श्री जुएरगेन थॉमस श्रोड, डिप्टी कॉन्सल जनरल, जर्मन कंसुलेट, श्री सुरेश अग्रवाल, वाणिज्य दूतावास; व्यापारी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, अध्यक्ष सी.एस.आर.; प्रो.डॉ.सुजॉय बिसवास, निदेशक और सी.ई.ओ., टी.आई.जी. और डॉ.रीना पलाधी, निदेशक, टेक्नो इंडिया विश्वविद्यालय। प्रो.दिलीप कुमार चक्रवर्ती, वरिष्ठ संकाय, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कार्यवाही का समन्वय किया।

श्रीमती रीमा बैनर्जी, कार्यक्रम निदेशक - पूर्व(प.बं, ओडिशा, झारखंड) और बॉयोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, पर्यावरण शिक्षा केंद्र ने स्वच्छता/स्वस्थ धन से अपशिष्ट (अपशिष्ट अर्थव्यवस्था/ कचरा अर्थव्यवस्था) अपना मुख्य भाषण दिया। पश्चिम बंगाल जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष डॉ.अशोक कांति सन्यल ने कहा, " लाभ फोकस से शिफ्ट फोकस, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल और सोशल एंटरप्रेन्योरशिप"। दूसरे सत्र के पैनल चर्चा पॉलीन लारावॉयर द्वारा संचालित की गई थी। श्री अजय मित्तल, निदेशक - भारत और दक्षिण एशिया, पृथ्वी दिवस नेटवर्क, सह-संस्थापक, ए.सी.टी.एस. ग्लोबल शेपर/क्लाइमेट रियलिटी लीडर ने जलवायु रियलिटी लीडर्स ने लाभ इकोनॉमी और इम्पैक्ट इकोनॉमी/इंपैक्ट इकोनॉमी के लाभों पर संबोधित किया। भारत के विकास और विकास में उद्यमिता की भूमिका श्री अभिनव बाजपई, संस्थापक, उबंटू समुदाय द्वारा संबोधित की गई थी; सुश्री सौमिता बसू, संस्थापक, ज़ीनिका एडेप्टिव वियर और डॉ.तपस कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता, डब्ल्यू.बी.पी.सी.बी. के तीसरे सत्र में छात्रों को "अपशिष्ट के चमत्कार" पर एक कार्यशाला में भाग लेना था। हुल्लाडेक रिसाइकिलिंग ने कैंपस में लॉन्च ऑफ ई-वेस्ट कलेक्शन पॉइंट पर सभा को संबोधित किया।

श्री कृष्णा कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस 22 - 23 जनवरी

प्रत्येक परिवार को खाद के रूप में वनस्पति कचरे को परिवर्तित करने के बारे में सोचना चाहिए - कोयंबटूर निगम आयुक्त जे.श्रवण कुमार

उद्योग-अकादमिया मीट सह प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए, कोयम्बटूर निगम आयुक्त जे.श्रवण कुमार ने बेहतर तरीके से घर के कचरे को संभालने का आह्वान किया। उन्होंने कहा "वर्तमान पीढ़ी को अगली पीढ़ी को उसी तरह का वातावरण देना चाहिए। जलवायु परिवर्तन प्रमुख समस्या है। कचरे को संभालने की गुणवत्ता भी संगठनों और लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो कचरे को उपयोगी में परिवर्तित करते हैं। प्रत्येक परिवार को सब्जी के कचरे को खाद के रूप में परिवर्तित करने के बारे में सोचना चाहिए। डॉ.इलंगोवन करिअप्पन, असिस्टेंट इनोवेशन डायरेक्टर, इनोवेशन सेल, एम.एच.आर.डी., नई दिल्ली गेस्ट ऑफ ऑनर थे और उन्होंने अपशिष्ट उत्पादों विशेष रूप से ग्रेनाइट धूल और कैसे ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की आजीविका को बढ़ाने में मदद की, इस बारे में बात की। वह भी कंप्यूटर और लैपटॉप कचरे से 40,000 से 4 करोड़ तक के 3-डी प्रिंटर कैसे बनाए जाते हैं, इस बारे में बात की। उन्होंने कहा "स्टार्ट-अप शुरू करने के लिए कचरे के बहुत सारे अवसर उपलब्ध हैं और जिसके लिए सरकार समर्थन कर रही है। प्रत्येक स्कूल को 20 लाख के अनुदान के साथ अटल इनोवेशन मिशन के तहत स्कूलों में भारत में लगभग 5500 अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित हैं। 6 कक्षा से लेकर 12 वीं कक्षा तक के छात्रों को नवाचार और रचनात्मकता में शामिल होने के अवसर दिए जाते हैं। "डॉ.द्वारकानाथ, पूर्व निदेशक/सदस्य सचिव, डी.एस.टी., पुदुचेरी ने साझा किया कि जमीनी अपशिष्ट मीथेन जैसी खतरनाक गैसें उत्पन्न करते हैं जो पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक हैं। कचरे का निपटान 3 डिब्बे में किया जाना चाहिए- सड़ने योग्य, बायोडिग्रेडेबल और औषधीय उद्देश्य। कोयम्बटूर में कई घरों और अपार्टमेंटों में लागू किया गया है और अलग-अलग लोरियाँ भी उसी के लिए आवंटित की गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह विधि पूरे देश में लागू होगी।

उद्योग-अकादमिया मीट का दूसरा दिन थिरु की प्रकाशयुक्त उपस्थिति में शुरू हुआ। एस.पी. वेलुमणि, माननीय नगरपालिका प्रशासन ग्रामीण विकास मंत्री और

विशेष कार्यक्रम के कार्यान्वयन, तमिलनाडु सरकार और अन्य गणमान्य व्यक्ति, डॉ.पी.बेबी शकीला, प्रधान अध्यापक, श्री कृष्णा आर्ट्स और साइंस कॉलेज ने सभा का स्वागत किया और छात्रों और हितधारकों से कुशल अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्राप्त करने के लिए कहा। माननीय मंत्री ने अपने संबोधन में अपशिष्ट प्रबंधन पर सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। सरकार के प्रयासों से, तमिलनाडु अपशिष्ट प्रबंधन के साथ एक सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है और अधिक रोजगार और बिजली उत्पादन का सृजन कर रहा है। माननीय मंत्री ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए कॉलेज और छात्रों की सराहना की। अपशिष्ट प्रबंधन संबंधित संगठनों ने अपने स्टालों का प्रदर्शन और प्रदर्शन किया। स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों और संकायों, उद्योग, गैर सरकारी संगठनों, एस.एच.जी. और अपशिष्ट प्रबंधन में शामिल लोगों ने स्टालों का दौरा किया और सक्रिय रूप से भाग लिया।

Waste Management and Social Entrepreneurship - Two Day Industry Academia Meet started at Sri Krishna Arts and Science College (SKASC)

मानव रचना शैक्षणिक संस्थान 23 -24 जनवरी

बनाई गई हर चीज को प्रचारित और नष्ट किया जाना चाहिए और इससे कोई भी विचलन विनाशकारी होगा .....।

इस कार्यक्रम में मानव रचना शिक्षा संस्थान के ट्रस्टी डॉ.एम.एम.कथूरिया ने भाग लिया; श्री पी.पी.सिंह, एन.जी.ओ. के संस्थापक- आई लव मै सिटी; डॉ.के.कानन, अध्यक्ष प्रोफेसर- जैव प्रौद्योगिकी विभाग (एम.आर.आई.आई.आर.एस.), संकाय सदस्य, छात्र और प्रतिभागी सभी फरीदाबाद क्षेत्र से एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रमुख शिव किरण और सुश्री दिव्याछब्र ने कार्यवाही का समन्वय किया।

डॉ.के.कानन, कार्यक्रम के पहले प्रमुख नोट, वक्ता ने "ब्रह्मा-विष्णु-महेश" के साथ स्वर सेट किया, जिसमें कहा गया था कि बनाई गई हर चीज को प्रचारित और नष्ट कर दिया जाना चाहिए और इससे कोई भी विचलन विनाशकारी होगा। सादृश्य से संबंधित उन्होंने कहा कि कुशल निपटान या फिर इंजीनियरिंग के बिना असीमित अपशिष्ट निर्माण एक अकल्पनीय असंतुलन को जन्म देगा। मेजर शिवा किरण ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. का प्रतिनिधित्व करते हुए आगे बढ़ते हुए कचरे को संभालने की जरूरत पर जोर दिया, जो इस हद तक लगातार बढ़ रहा है, कि अब गाजीपुर का डब्बा कुतुबमीनार से केवल 8 मीटर छोटा है और हम देश भर में गाजीपुर बनाने की राह पर हैं आज। श्री पी.पी.सिंह ने छात्रों को अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण की अप्रयुक्त संभावनाओं से अवगत कराया, जिससे कई व्यावसायिक प्रस्ताव हो सकते हैं। इसके बाद सेमिनार की स्मारिका का अनावरण और अपशिष्ट प्रबंधन में एम.बी.ए. पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया

गया। इस मंच पर, ठोस में एम.बी.ए. कार्यक्रम अपशिष्ट प्रबंधन शुरू किया गया था और यह शैक्षणिक सत्र 2020- 21 से छात्रों के लिए उपलब्ध होगा। दूसरे दिन एन.जी.ओ. टेंडर हार्ट के निदेशक और संस्थापक सुश्री रेनू बाली की सफलता की कहानी देखी गई। टीम ने महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया और बढ़ते कचरे और खतरनाक परिणामों के बारे में खतरनाक अंतर्दृष्टि प्रदान की। केक पर टुकड़े करना क्षेत्र से आमंत्रित प्रदर्शकों द्वारा प्रदान किया गया इनपुट था, जो अपशिष्ट प्रबंधन और नई कैरियर से संबंधित और सामाजिक उद्यमिता के अवसरों में विकसित तकनीकों पर विस्तारित हुआ। एफ.एम.एस. छात्रों द्वारा आयोजित 'अपने पर्यावरण को जानें' प्रश्नोत्तरी के साथ एक सकारात्मक नोट पर कार्यक्रम का समापन हुआ। उद्योग से प्रतिष्ठित वक्ताओं और प्रतिनिधियों ने छात्र प्रतिभागियों को समझाया कि अपशिष्ट एक मूल्यवान संसाधन है और इसे एक व्यवहार्य व्यवसाय में परिवर्तित किया जा सकता है।

चितकारा यूनिवर्सिटी 24 - 25 जनवरी

एक बेहतर कल की आशा है, जो आज की पीढ़ी को न केवल खुद के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बनाना है। - डॉ.मधु चितकारा

इस कार्यक्रम में चंडीगढ़, मोहाली, पंचकूला, बद्दी, बरोटीवाला और नालागढ़ के क्षेत्र में काम करने वाले उद्योगों के प्रतिनिधियों के अलावा सरकारी एजेंसियों और फैकल्टी, स्टाफ और हिमाचल प्रदेश के चितकारा विश्वविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में उद्योग से 17, 117 छात्र, 5 प्रदर्शक- उद्योग और 11 प्रदर्शक-छात्र शामिल थे।

अपशिष्ट प्रबंधन पर उद्योग अकादमिक सहभागिता के दिवस -1 के लिए पैनल - प्रदर्शनी सह संगोष्ठी में सरकार, उद्योग और शिक्षाविदों से सम्मानित गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। डॉ.मधु चितकारा (प्रो-चांसलर, चितकारा यूनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश), प्रो (डॉ.) वरिंदर एस. कंवर (वाइस चांसलर, चितकारा यूनिवर्सिटी, हिमाचल प्रदेश), मेजर (डॉ.) शिवा किरण (सीनियर फैकल्टी, एम.जी.एन.सी.आर.ई., हैदराबाद), डॉ.मनोज कुमार तिवारी (वैज्ञानिक अधिकारी, राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, इंदौर), डॉ.रीना ठाकुर (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, ई.एस.आई. अस्पताल, परवाणू) और सुश्री समिधा बंसल (अभियान निदेशक - उत्तर भारत, दैनिक डंप, ग्रीन कर्म और एसोसिएट्स)। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो (डॉ.) वरिंदर एस. कंवर के संबोधन से हुई, जिसमें इसकी विशेषताओं और प्रासंगिकता का हवाला देते हुए कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कचरा प्रबंधन, वर्मी-कम्पोस्टिंग, हाइड्रोपोनिक फार्मिंग, पेपर रिसाइकिलिंग, वर्षा जल संचयन आदि जैसे कचरा प्रबंधन के लिए हिमाचल प्रदेश द्वारा अपनाई गई पहलों पर प्रकाश डाला, जिसके कारण लगातार तीन वर्षों तक स्वच्छ भारत रैंकिंग में शीर्ष दस संस्थानों में एकतरफा स्थिति बनी रही। उन्होंने यह भी साझा किया कि शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता में एम.बी.ए. शुरू करने के लिए एम.एच.आर.डी. द्वारा भारत के दस संस्थानों में से एक के रूप में विश्वविद्यालय को नामित किया गया है।

मुख्य अतिथि संबोधन डॉ.मधु चितकारा द्वारा प्रस्तुत किया गया। वह अपनी यात्रा के दौरान चितकारा विश्वविद्यालय ने गांवों को गोद लेने, ऊष्मायन केंद्र के माध्यम से उद्यमशीलता को बढ़ावा देने, अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों आदि जैसे परोपकारी प्रथाओं को साझा किया।

मुख्य सत्र: दिन के दूसरे भाग में प्रमुख नोट वक्ताओं द्वारा प्रमुख नोट सत्र शामिल थे। डॉ.मनोज कुमार तिवारी, डॉ.रीना ठाकुर और सुश्री समिधा बंसल जिन्होंने अपने अपशिष्ट प्रबंधन की पहल और कहानियाँ प्रस्तुत कीं। मनोज कुमार तिवारी ने "एक्स-रे फ्लुओरेसेन्स स्पेक्ट्रोस्कोपी में हाल के रुझान: पर्यावरण विश्लेषण के लिए अनुप्रयोग" पर एक सत्र आयोजित किया, जिसमें उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक्स-रे तकनीक के उपयोग की ओर इशारा किया। डॉ.रीना ठाकुर ने "बॉयो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट" पर एक सत्र में भाग लिया, जिसमें उन्होंने जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए तृतीयक अस्पतालों द्वारा संचालित कानूनों और प्रथाओं को साझा किया। उन्होंने आम जनता को घर पर बॉयो-मेडिकल कचरे के निपटान के लिए सावधानी बरतने की भी सलाह दी। समिधा बंसल ने अपने संगठन की सफलता की कहानी साझा करने के अलावा अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में सामाजिक उद्यमिता और कैरियर के अवसरों के बारे में बात की। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन में योगदान के लिए सभी को प्रतिज्ञा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक उद्यमिता के प्रति नए विचारों और नवाचारों के साथ आने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने के लिए, प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा दिखाए गए कई परियोजनाओं में से सर्वश्रेष्ठ दो छात्र विचारों को रुपये के नकद पुरस्कार रु.10,000 और रु.5,000 से पुरस्कृत किया गया। इंडस्ट्री एकेडमी इंटरैक्शन एक बेहतर नोट के लिए एक सकारात्मक आशा के साथ एक बेहतर कल पर समाप्त हुआ जो आज की पीढ़ी को न केवल अपने लिए बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी एक साथ मिलकर बनाना है।

CHITKARA UNIVERSITY

The Tribune

MBA in waste mgmt

SOLAN, JANUARY 25

Chitkara University, Baddi, has been identified by the Ministry of Human Resource Development (MHRD) to introduce MBA in Waste Management and Social Entrepreneurship.

The programme will not only create jobs for experts in waste management in the industrial sector, but also improve the quality of environment in the state.

The programme was kick-started today on the campus by Dr Madhu Chitkara, Pro-Chancellor, Chitkara University, along with Major Shiva Kiran, MGNCRE and other dignitaries.

An exhibition-cum-industry-academia meet was also organised in association with the Mahatma Gandhi National Council of Rural Education, a unit of MHRD. — TNS

राज्य-भर की गतिविधियाँ

कर्नाटक

कर्नाटक में कई विश्वविद्यालयों ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा अपने कई शैक्षणिक हस्तक्षेपों के हिस्से के रूप में विकसित स्नातक और मास्टर डिग्री के लिए ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम में उत्सुक रुचि दिखाई है। पाठ्यक्रम को तेज़ी रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है और पाठ्यचर्या की सुविधा और प्रसार के लिए समर्थन बढ़ रहा है।

श्रीकांत, प्रधान अध्यापक, रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एड्यूकेशन, मैसूर में बी.बी.ए. आर.एम. और पी.जी. आर.एम. के पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया

प्रोफ. वी. नागेश, उप- कुलपति और प्रोफेसर आर.राजेश, रजिस्ट्रार एवं डॉ. गंगुबाई हंगल, संगीत और प्रदर्शन कला विश्वविद्यालय को बी.बी.ए. आर.एम. और पी.जी. आर.एम. पाठ्यक्रम और कैलेंडर प्रस्तुत किया गया

डॉ.एस.ए. कोरी, कार्यपालक निदेशक और सदस्य सचिव कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा परिषद को बी.बी.ए. आर.एम. और पी.जी. आर.एम. पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया

प्रोफ.शिरलशेट्टी, उप-कुलपति, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ और प्रो.हरिश रामास्वामी को एम.जी.एन.सी.आर.ई. कैलेंडर प्रस्तुत किया गया निदेशक यूजीसी एचआरडीसी धारवाड़

प्रोफ.हरीश रामास्वामी, निदेशक, यू.जी.सी. एच.आर.डी.सी. धारवाड़ को बी.बी.ए. आर.एम. और पी.जी. आर.एम. पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया

श्री राजकुमार कतरी, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, कर्नाटक को बी.बी.ए. आर.एम. और पी.जी. आर.एम. पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया

कर्नाटक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज के प्रधान अध्यापक के साथ। 4000 छात्रों और 30 विभागों के साथ 100 साल पुराने कॉलेज ने आर.एम. पाठ्यक्रम शुरू करने में रुचि दिखाई है।

प्रोफेसर शिवप्पा,, रजिस्ट्रार, मैसूर विश्वविद्यालय को बी.बी.ए. आर.एम. और पी.जी. आर.एम. पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया

पाठ्यचर्या विकास कार्यक्रम - मैसूर विश्वविद्यालय - 6-10 जनवरी

मैसूर विश्वविद्यालय में सी.डी.पी. 31 प्रतिभागियों के साथ शुरू हुआ। भवन निर्माण ग्रामीण लचीलापन पर पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ.निंगम्मा सी. बेट्सुर, शिक्षा के प्रोफेसर, शिक्षा के डी.ओ.एस., मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। डॉ.दिवाकर, वरिष्ठ संकाय, एम.जी.एन.सी.आर.ई., हैदराबाद ने कार्यवाही का समन्वय किया। डॉ.पुष्पा एम., एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय में अध्ययन विभाग ने स्वागत किया और मुख्य अतिथि का परिचय दिया। प्रो.निंगम्मा सी. बेट्सुर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में ग्रामीण लचीलापन के लिए पाठ्यक्रम विकास की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को रिडक्शन के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क डिजास्टर की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मार्गदर्शक सिद्धांतों, विशिष्ट प्राथमिकताओं के बारे में बताया। उन्होंने आपदाओं के कारणों और उपचारात्मक और निवारक उपायों के बारे में चर्चा की।

पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम - एच.आर.डी.सी.-यू.जी.सी., कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़ - 20-24 जनवरी

भवन ग्रामीण लचीलापन के लिए 5-दिवसीय पाठ्यक्रम विकास कार्यक्रम को एम.जी.एन.सी.आर.ई. - यू.एन.आई.सी.ई.एफ. द्वारा यू.जी.सी-एच.आर.डी.सी., कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ के सहयोग से आयोजित किया गया था। डॉ.वी.एन.साम्ब्रानी सह-समन्वयक, उन्नत भारत अभियान, के.यू.डी. मुख्य अतिथि थे। एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्ति डॉ. दिवाकर, परियोजना निदेशक थे। डॉ.पुष्पहोंगल, एसोसिएट प्रोफेसर, के.आई.एम.एस., कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ ने सभा का स्वागत किया और अतिथियों का परिचय दिया। मुख्य अतिथि डॉ.वी.एन.साम्ब्रानी ने अपने भाषण में कार्यक्रम के लक्ष्यों और महत्व के बारे में जानकारी दी और धारवाड़ के 5 गांवों में पाए गए परिवर्तन के बारे में बताया, जिन्हें के.यू.डी. ने उन्नत भारत अभियान के तहत अपनाया था। एन.एस.एस. सेल, के.यू.डी. के समन्वयक डॉ.एम.बी.दलपति ने कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ के अंतर्गत आयोजित सामुदायिक कार्यक्रमों के बारे में बताया। डॉ.हरीश रामास्वामी, निदेशक यू.जी.सी.-एच.आर.डी. केंद्र, के.यू.डी. ने अपने अध्यक्षीय भाषण में ग्रामीण लचीलापन के लिए पाठ्यक्रम विकास की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया और प्रतिभागियों को लोगों की मानसिकता को बदलने और उनकी सामाजिक जिम्मेदारी को निभाने की सलाह दी। प्रतिभागियों ने (टीमों में) पहचान किए गए गांव में चुने गए पी.एल.ए. तरीकों का आयोजन किया। उन्होंने अपने काम के सीखने, चित्रों और वीडियो पर अधिकृत कर लिया: ट्रांसेक्ट वॉक, विलेज ह्यूमन रिसोर्स, नेचुरल रिसोर्स और मैन मेड रिसोर्स मैप्स, टाइमलाइन, प्रायोरिटी मैपिंग और सीजनल मैपिंग। डब्ल्यू.ए.एस.एच./सी.सी.ए./एस.डी.जी. (एस.डी.जी. 3,4,6 7,8,9,12,13,14,15 पर ध्यान केंद्रित किया गया) / एस.एफ.डी.आर.आर. प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

पी.आर.ए. / पी.एल.ए. अभ्यास के 5 दिनों के भाग के रूप में एफ.डी.पी. पाठ्यक्रम विकास

गांव का दौरा - सल्लिंकोप्पा गाँव का आजीविका मानचित्र ...

तमिलनाड

थिरु मंगतराम शर्मा, आई.ए.एस., उच्च शिक्षा विभाग, तमिलनाडु के प्रमुख सचिव को डेस्क कैलेंडर प्रस्तुत किया गया

डॉ. सी. ज्योति वेंकटेश्वरन, निदेशक कॉलेजिएट, तमिलनाडु के साथ

थिरु सेंथिल कुमार. स्टेट एन.एस.एस. अधिकारी, तमिलनाडु के साथ

स्वच्छता कार्यक्रम

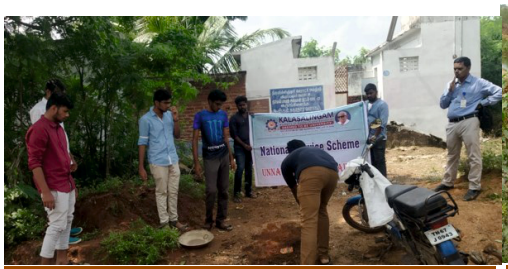

पुदुपैर गाँव में डस्टबिन का निर्माण करते ईश्वरी इंजीनियरिंग कॉलेज टीम

सिरकुलाथुर गांव में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए गड्ढे बनाते हुए एन.एस.एस. स्वयंसेवक, ईश्वरी इंजीनियरिंग कॉलेज

कलसलिंगम एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एडयूकेशन ने ग्रामीणों को सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करने में सक्षम किया जहाँ अवांछित घास से खतरनाक मार्ग भरा हुआ था, उसको साफ किया

उत्तर प्रदेश

रूरल इम्मर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम

भावनंद संस्कृत महाविद्यालय अज़मगढ़ 04 एवं 05 जनवरी

आर.आर.पी.जी.कॉलेज अमेठी 06 एवं 07 जनवरी

आंध्र प्रदेश

एक दिवसीय पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला डॉ.बी.आर.अंबेडकर विश्वविद्यालय, श्रीकाकुलम में 25 जनवरी को आयोजित की गई

प्रोफ.के.रामजी, उप-कुलपति ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। और उच्च शिक्षा संस्थानों को समुदाय से जोड़ने के महत्व पर बल दिया। प्रतिभागियों ने डिज़ाइन किए गए ड्राफ्ट पाठ्यक्रम पर चर्चा की और उन्होंने प्रत्येक शनिवार को गांव में जाने वाली उनकी गतिविधि के बारे में उल्लेख किया। कार्यशाला के संयोजक डॉ.सुब्रमण्यम, शिक्षा विभाग के प्रमुख ने पाठ्यक्रम की व्यवहार्यता पर प्रसन्नता व्यक्त की

एम.जी.एन.सी.आर.ई. केलेंडर का प्रकाशन करते हुए प्रोफ.राजशेखर, उप-कुलपति, आचार्या नागार्जुना विश्विद्यालय,प्रोफ.सरस्वती और प्रोफ.ब्रह्माजी

एम.जी.एन.सी.आर.ई. केलेंडर का प्रकाशन करते हुए प्रोफ.गी.एम.संदरवल्ली, एस.वी.विशविद्यालय, तिरुपति, प्रोफ.पद्मिनी, प्रधान अध्यापक, एस.वी.कॉलेज ऑफ आर्ट्स, प्रोफ.सुजाता, प्रमुख, डिपार्टमेंट ऑफ पोप्यूलेशन स्टडीसेंड सोशल वर्क डिपार्टमंट एवं प्रोफ.दामोदर, हेड ऑफ एनविरोन्मेंटल साईंस

एम.जी.एन.सी.आर.ई. केलेंडर का प्रकशन करते हुए श्री पद्मावती विशविद्यालय, तिरुपति के उप-कुलपति प्रोफ.डी.जमुना, प्रोफ. कात्यायनी, हेड ऑफ़ मेनेजमेंट डिपार्टमेंट एवं एन.एस.एस. को-ओर्डिनेटर, प्रोफ.अमुतवल्ली, हेड ऑफ एड्यूकेशन डिपार्टमेंट, डॉ. सुनीता बाई, सहायक प्रोफ, एड्यूकेशन डिपार्टमेंट और डॉ. अनुराधा, सहायक प्रोफ, एड्यूकेशन डिपार्टमेंट

तेलंगाना

महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, नलगोंडा में डब्ल्यू.ए.एस.एच. जागरूकता और स्वयंसेवी पर एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारियों के लिए स्वच्छ्ता पर एक दिवसीय कार्यशाला 09 जनवरी

कार्यशाला का उद्घाटन प्रोफ.एम.यादगिरी रजिस्ट्रार, एम.जी.यू. द्वारा किया गया था। डॉ.डी.रमेश कार्यक्रम समन्वयक एन.एस.एस. ने कार्यवाही का समन्वय किया। कार्यशाला में 33 प्रतिभागी थे और डब्ल्यू.ए.एस.एच., ओ.डी.एफ., जल शक्ति मिशन, स्वच्छ्ता, एस.डी.जी. और स्वयंसेवकवाद पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

पंजाब

बटरला गाँव चंडीगढ़ में गाँव का दौरा जारी है

हरियाणा

एन.आई.एफ.टी.ई.एम. वालंटियर्स के साथ गाँव के दौरे पर परियोजना अधिकारी

राजस्थान

प्रिंस एकेडमी सीकर के अध्यक्ष, कंवरपुरा और तेतरवाल की धानी के दोनों सरपंचों को स्वच्छ भारत योजना में उनके समर्थन के लिए सम्मानित किया

एम.जी.एन.सी.आर.ई.की टीम ने पोंगल उत्सव में भाग लिया! कार्यालय में रंगोली!!

सत्यमेव जयते

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

5-10-174, शक्कर भवन, ग्राउंड फ्लोर, फ़तेह मैदान रोड, हैदराबाद-500 004, तेलंगाना.

दूरभाष: 040-23422112, 23212120, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: editor@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी

श्री पी.मुरली मनोहर, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity